

تِلْكَ الرُّسُلُ فَضَّلْنَا بَعْضَهُمْ عَلَى بَعْضٍ مِنْهُمْ مَنْ كَلَّمَ

यह सारे रसूल, बजाई ही हमने उनके बा'जको बा'ज पर... ई-हीसे वोह है, जिससे कलाम इरमाया

اللَّهُ وَرَفَعَ بَعْضَهُمْ دَرَجَاتٍ ۖ وَآتَيْنَا عِيسَى ابْنَ مَرْيَمَ الْبَيِّنَاتِ

अल्लाहने, और बुलन्द इरमाया बा'जको दरजों. और ही हमने ईसा इरजन्दे मरयमको पुली निशानियां,

وَأَيَّدْنَاهُ بِرُوحِ الْقُدُسِ ۖ وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ مَا أَقْتُلَ الَّذِينَ مِنْ

और ताईद इरमाई हमने उनकी रूह मुकदससे. और ई-शाअल्लाह न लउते वोह जो उनके

بَعْدِهِمْ ۚ مَنْ بَعْدَ مَا جَاءَتْهُمْ الْبَيِّنَاتُ وَلَكِنْ اخْتَلَفُوا مِنْهُمْ

बा'द हुअे, बा'द ईसके कि आ चुकी थी रौशन बातें, लेकिन वोह मुप्तलिकु हो गअे. तो उन मेंसे

مَنْ آمَنَ وَمِنْهُمْ مَنْ كَفَرَ ۖ وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ مَا أَقْتُلُوا ۚ وَلَكِنْ

किसीने माना और उन मेंसे किसीने ई-कार कर दिया. और ई-शाअल्लाह वोह न लउते... लेकिन

اللَّهُ يَفْعَلُ مَا يُرِيدُ ۚ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا اتَّقُوا مَآرِزَ قُلُوبِكُمْ

अल्लाह जो याइता है करता है (२५३) अय ईमानवावो ! अर्य करो उस मालसे कि रोजी ही हमने तुमको,

مِنْ قَبْلِ أَنْ يَأْتِيَ يَوْمَ لَا بَيْعَ فِيهِ وَلَا خُلَّةَ وَلَا شَفَاعَةَ ۗ وَ

पहले ईसके कि आअे वोह दिन, जिसमें न हर अेकके विये तिजरत है, और न दोस्ती है, और न सिफारिश है. और

الْكُفْرُ وَهُمْ الظَّالِمُونَ ۚ اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ الْحَيُّ الْقَيُّومُ ۗ

ई-कार करनेवावे आप ही जालिम हैं (२५४) अल्लाह, नहीं कोई मा'बूद सिवा उसके. भुद जिन्दा, सभका काईम रभनेवाला...

لَا تَأْخُذُهَا سِنَةٌ وَلَا نَوْمٌ ۚ لَهَا مَا فِي السَّمٰوٰتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ۗ

न आअे उसको ठाँव और न नींद. उसीका है जो कुछ आस्मानों और जो कुछ जमीनमें है.

مَنْ ذَا الَّذِي يَشْفَعُ عِنْدَهُ إِلَّا بِإِذْنِهِ ۗ يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ

कोन वोह है जो सिफारिश करे उसके पास, मगर उसके हुकमसे. जानता है जो कुछ उनके आगे

وَمَا خَلْفَهُمْ ۗ وَلَا يُحِيطُونَ بِشَيْءٍ مِّنْ عِلْمِهِ إِلَّا بِمَا شَاءَ ۗ

और जो कुछ उनके पीछे है. और नहीं घेरेमें ला सकते कुछ उसके ईल्मसे, मगर जिस कदर उसने भुद याहा.

وَسِعَ كُرْسِيُّهُ السَّمٰوٰتِ وَالْأَرْضِ ۗ وَلَا يَئُودُهُ حِفْظُهُمَا ۗ وَ

गु-जाईश है ही उसकी कुरसीने आस्मानों और जमीनको. और नहीं भार होती उसको निगेहबानी दोनोंकी. और

هُوَ الْعَلِيُّ الْعَظِيمُ ﴿۲۵۵﴾ لَا إِكْرَاهَ فِي الدِّينِ ۚ قَدْ تَبَيَّنَ الرُّشْدُ

वोही बुलन्द व भरतर डे (२५५) कोरु ञभरदस्ती नहीं दीनमें... यकीनन छंट गछ छिदायत

مِنَ الْغَيِّ ۚ فَمَنْ يَكْفُرْ بِالطَّاغُوتِ وَيُؤْمِنْ بِاللَّهِ فَقَدِ

गुमराहीसे. तो जो र्छकार कर दे शैतानका, और मान जाये अल्लाहको, तो वाकई

اسْتَسَاكَ بِالْعُرْوَةِ الْوُثْقَىٰ لَا انفِصَامَ لَهَا ۗ وَاللَّهُ سَبِيْعٌ

उसने मजभूत कडा थाम लिया. नहीं डे उसे किसी किस्मकी शिकस्तगी. और अल्लाह सुननेवाला

عَلِيْمٌ ﴿۲۵۶﴾ اللَّهُ وَلِيُّ الَّذِينَ آمَنُوا ۖ يُخْرِجُهُم مِّنَ الظُّلُمَاتِ إِلَىٰ

जाननेवाला डे (२५६) अल्लाह मददगार डे उनका जो मान गये, निकावता डे उनको तारीकियोंसे

النُّوْرِ ۗ وَالَّذِينَ كَفَرُوا ۖ أُولَٰئِكَ هُمُ الطَّاغُوتُ ۖ يُخْرِجُونَهُم مِّنَ

नूरकी तरफ.. और जिन्होंने र्छकार किया, उनके मददगार शैतान डें, निकावते उनको

النُّوْرِ إِلَى الظُّلُمَاتِ ۗ أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ ۗ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿۲۵۷﴾

नूरसे तारीकियोंकी तरफ. वोही डें जहन्नमवाले, वोह उसमें हमेशा रहनेवाले डें (२५७)

أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِي حَاجَّ إِبْرَاهِيمَ فِي رَبِّهِ أَنْ أَنَّهُ اتَّهَمَ اللَّهُ الْمَلِكُ

क्या तुम देभ नहीं चुके, जिसने डुज्जत वडाई थी र्छब्राहीमसे उनके रभके बारेमें, कि दे रभी थी उसको अल्लाहने डुक्रमत..

إِذْ قَالَ إِبْرَاهِيمُ رَبِّيَ الَّذِي يُحْيِي وَيُمِيتُ ۚ قَالَ أَنَا أَحْيِي وَ

जभ कडा र्छब्राहीमने “मेरा रभ डे जो जिन्दा करता और मार डालता डे,” बोवा कि “में जिवाता

أُمِيتُ ۚ قَالَ إِبْرَاهِيمُ فَإِنَّ اللَّهَ يَأْتِي بِالسَّسِيسِ مِنَ الشَّرِقِ

मारता डे.” कडा र्छब्राहीमने “तो बे-शक अल्लाह वाता डे सूरज पूरभसे, तो

فَاتٍ بِهَا مِنَ الْمَغْرِبِ فَبُهِتَ الَّذِي كَفَرَ ۗ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي

डे आ पच्छिमसे,” तो लोयक्का कर दिया गया वोह जिसने डुक्रम किया था. और अल्लाह राड पर नहीं वाता

الْقَوْمَ الظَّالِمِينَ ﴿۲۵۸﴾ أَوْ كَالَّذِي مَرَّ عَلَىٰ قَرْيَةٍ وَهِيَ خَاوِيَةٌ

अलिम कोमकी (२५८) या जैसे वोह जो गुजरा आभादी पर, जो गिरीपडी थी अपने

عَلَىٰ عُرُوشِهَا ۚ قَالَ أَنَّىٰ يُحْيِي هَذِهِ اللَّهُ بَعْدَ مَوْتِهَا ۗ فَأَمَاتَهُ

छतों पर. कडा डेसे जिवायेगा र्छनको अल्लाह, र्छनके मर जाने के भा'द. तो मौत दी उनको

۲۵۷

دَقْتُ لِلَّحِ

اللَّهُ مِائَةَ عَامٍ ثُمَّ بَعَثَهُ ۖ قَالَ كَمْ لَبِثْتُمْ قَالُوا لَبِثْنَا يَوْمًا

अल्लाहने सो बरसकी, फिर उठ भडा कर दिया उनको. इरमाया “कितना तुम ०डरे ?” अर्ज किया “में ०डरा अेक दिन या

أَوْ بَعْضَ يَوْمٍ قَالُوا بَلْ لَبِثْنَا مِائَةَ عَامٍ فَانظُرْ إِلَىٰ طَعَامِكَ

उससे कम.” इरमाया “बल्कि तुम ०डरे रहे सो बरस,” तो देभो अपने भानेकी तरफ और

وَشَرَابِكَ لَمْ يَكُنَّ لَكَ وَانظُرْ إِلَىٰ حِمَارِكَ وَلِتُجْعَلَ آيَةً لِلنَّاسِ

पानीकी तरफ कि सडा नडी, और देभो अपने गधेकी, और डमारी डिकमत डे कि बना डें तुमको निशानी डोगोके लिये.

وَانظُرْ إِلَىٰ الْعِظَامِ كَيْفَ نُنشِزُهَا ثُمَّ نَكْسُوهَا لَحْمًا فَكَيْمَا تَبَيَّنَ

और देभो डन डडियोंकी तरफ, डैसा उठाले डें डम डनको, फिर पडनाते डें डनको गोशत. तो डभ डडिर डो गया

لَهُ ۖ قَالَ أَعْلَمُ أَنَّ اللَّهَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ۖ وَإِذْ قَالَ إِبْرَاهِيمُ

वाकेआ डन पर, कडा “में डानता डूं कि भेशक अल्लाड डर याडे पर कडिर डे” (२५ॢ) और डभ कि कडा डड्राडीभने

رَبِّ أَرِنِي كَيْفَ تُحْيِي الْمَوْتَىٰ ۖ قَالَ أَوَلَمْ تُؤْمِنْ قَالُوا بَلَىٰ وَلَكِنْ

“भेरे परवरडिगार मुअको डिभा डे कि डैसे तू डिलाता डे मुडोंको,” इरमाया कि “क्या तुभने नडी भाना?” अर्ज किया, “भाना डैसे नडी. भगर

لِيُطَبِّقَ قَلْبِي ۖ قَالَ فَخُذْ أَرْبَعَةً مِّنَ الطَّيْرِ فَصُرْهُنَّ إِلَىٰكَ

डस लिये कि भेरा डिल मुत्भडन डो.” इरमाया, “तो डो यार परिनड, फिर डनको अपनेसे डिला डो,

ثُمَّ اجْعَلْ عَلَىٰ كُلِّ جَبَلٍ مِّنْهُنَّ جُزْءًا ثُمَّ ادْعُهُنَّ يَأْتِيَنَّكَ

फिर रभ डो डर पडड पर डनकी अेक अेक भोटी, फिर डनडें डुलाओ, वोड तुभडारे पास

سَعِيًّا ۖ وَأَعْلَمُ أَنَّ اللَّهَ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ۖ مَّثَلُ الَّذِينَ يُنْفِقُونَ

डोडे आअेंगे, और डान रभो कि भे-शक अल्लाड गलभेवाला डिकमतवाला डे” (२६०) डनकी भिडाल डो भर्य करें

أَمْوَالَهُمْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ كَمَثَلِ حَبَّةٍ أَتَتْكَ سَبْعَ سَنَابِلَ

अपने मालको अल्लाडकी राडमें अेसी, डैसे अेक डाना, डिसने उगाअे सात डालियोंको,

فِي كُلِّ سُنْبُلَةٍ مِّائَةٌ حَبَّةٌ ۗ وَاللَّهُ يُضْعِفُ لِمَنْ يَشَاءُ وَاللَّهُ

डर डालीमें सो डाने. और अल्लाड डड्राअे डिसके लिये याडे. और अल्लाड

وَاسِعٌ عَلِيمٌ ۖ الَّذِينَ يُنْفِقُونَ أَمْوَالَهُمْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ ثُمَّ لَا

वुसततवाला डलभवाला डे (२६१) डो भर्य करें अपने मालको अल्लाडकी राडमें, फिर न

يَتَّبِعُونَ مَا أَنْفَقُوا مَنًّا وَلَا أَذَىٰ لَهُمْ أَجْرُهُمْ عِنْدَ رَبِّهِمْ ۖ وَ

पीछा करें उसका जो भय किया, अहसान जता कर और न ह्युभ दे कर, तो उनके लिये अज्र है उनके रभके पास. और

لَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ﴿۳۳﴾ قَوْلٌ مَّعْرُوفٌ وَمَغْفِرَةٌ

न उन पर कोरु भौक और न रञ्जदा हौं (२६२) अथी बोली और मुआफ़ कर देना,

خَيْرٌ مِّنْ صَدَقَةٍ يَتَّبِعُهَا أَذَىٰ ۗ وَاللَّهُ غَنِيٌّ حَلِيمٌ ﴿۳۴﴾ يَا أَيُّهَا

बेहतर है उस सदकेसे, कि पीछे लगाओ जिसके ह्युभको. और अल्लाह बे-परवाद हिलमवाला है (२६३) अथ

الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَبْطُلُوا صَدَقَتِكُمْ بِالْمَنِّ وَالْأَذَىٰ كَالَّذِي

ईमानवालो ! न जाअेअ कर दो अपने सदकातको, अहसान रभ कर और ह्युभ दे कर, जैसे वोड

يُنْفِقُ مَالَهُ رِثَاءَ النَّاسِ وَلَا يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ ۗ

जो भय करे अपने मालको लोगोके दिभावेकी, और न माने अल्लाहको और पिछले दिनकी.

فَمَثَلُهُ كَمَثَلِ صَفْوَانٍ عَلَيْهِ تُرَابٌ فَأَصَابَهُ وَابِلٌ فَتَرَكَهُ

तो उसकी मिषाल है उस चिकने पत्थरकी, जिस पर मिट्टी है, फिर पडे उस पर जोरदार भेंड, तो छोड दे

صَلْدًا ۗ لَا يَقْدِرُونَ عَلَىٰ شَيْءٍ مِّمَّا كَسَبُوا وَاللَّهُ لَا يَهْدِي

उसको साफ़ पत्थर. न मुतसर्रिक होंगे किसी चीज पर जो कमाया उन्होंने, और अल्लाह तआला नही दिदायत देता

الْقَوْمَ الْكَافِرِينَ ﴿۳۵﴾ وَمَثَلُ الَّذِينَ يُنْفِقُونَ أَمْوَالَهُمُ ابْتِغَاءَ

काफिर कोमको (२६४) और उनकी मिषाल, जो भय करें अपना माल अल्लाहकी भरजी

مَرْضَاتِ اللَّهِ وَتَثْبِيْتًا مِّنْ أَنفُسِهِمْ كَمَثَلِ جَنَّةٍ بِرَبْوَةٍ

याडनेको, और अपनेको षाभित कदम रभनेको, ऐसी है, जैसे भाग हो टीले पर, जिस

أَصَابَهَا وَابِلٌ فَاتَتْ أَكْطَافَهَا ضَعْفَيْنِ ۖ فَإِن لَّمْ يُصِبْهَا وَابِلٌ

पर पडी जोरकी बारिश, तो भाग दूगने इल लाया. फिर अगर उस पर बारिश न हुई तो शभनम

فَطَلَّ ۗ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ﴿۳۶﴾ أَيَوَدُّ أَحَدُكُمْ أَن تَكُونَ

है. और अल्लाह जो कुछ करते हो देभ रहा है (२६५) क्या तुम्हारा कोरु याडेगा कि

لَهُ جَنَّةٌ مِّنْ نُجَيْلٍ وَأَعْنَابٍ مُّجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ لَهُ

उदाके अेक भाग हो भजूर और अंगूरोका, जिसके नीचे नहरें जरी हों, उसके लिये

فِيهَا مِنْ كُلِّ الثَّمَرَاتِ وَأَصَابَهُ الْكِبَرُ وَلَهُ ذُرِّيَةٌ ضُعْفَاءٌ ۗ

उसमें हर तरहके फल हैं, और उसको पछोंया बुढापा, और बच्चे हैं कमजोर,

فَأَصَابَهَا إِعْصَارٌ فِيهِ نَارٌ فَاحْتَرَقَتْ ۗ كَذَلِكَ يُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُمْ

किर पछोंया उस भागको बगूला जिसमें आग है, तो भाग जल गया. ईसी तरह बयान इरमाता है अल्लाह तुमको

الآيَاتِ لَعَلَّكُمْ تَتَفَكَّرُونَ ۗ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا انْفِقُوا مِنْ

आयतें, कि अब गौरो किक करो (२६६) ऐ ईमानवालो ! हो

طِبَابٍ مَا كَسَبْتُمْ وَمِمَّا أَخْرَجْنَا لَكُمْ مِنَ الْأَرْضِ وَلَا تَكْسِبُهَا

पाकीजा माल जो कि तुमने कमाया, और जो कि हमने निकावा तुम्हारे लिये जमीनसे, और बेमररक

الْحَيِّثُ مِنْهُ تُنْفِقُونَ وَلَسْتُمْ بِأَخِيذِيهِ إِلَّا أَنْ تُغْنُوا وُجُوهَ

थीजका ईरादा न करो, कि उससे भर्य करो, छावांकि मिले तो तुम न लोगे उसको, बगैर उसमें आंभ दबाये.

وَأَعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ عَنِّي حَمِيدٌ ۗ الشَّيْطَانُ يَعِدُكُمُ الْفَقْرَ وَ

और जान रभो कि बेशक अल्लाह बेपरवाह लाईके इम्ह है (२६७) शैतान धमकी देता रहता है तुमको मोहताज हो जानेकी, और

يَأْمُرُكُمْ بِالْفَحْشَاءِ ۗ وَاللَّهُ يَعِدُكُم مَّغْفِرَةً مِّنْهُ وَفَضْلًا ۗ وَ

हुकम देता रहता है तुमको बेशर्म हो जानेका, और अल्लाह वा'दा इरमाता है अपनी तरफसे बप्पिशिश व इजीलतका. और

اللَّهُ وَاسِعٌ عَلَيْهِمُ ۗ يُؤْتِي الْحِكْمَةَ مَنْ يَشَاءُ ۗ وَمَنْ يُؤْتَ الْحِكْمَةَ

अल्लाह वुस्ततवाला दाना है (२६८) दे इकमत जिसे याडे. और जिसको इकमत दी गई,

فَقَدْ أُوتِيَ خَيْرًا كَثِيرًا ۗ وَمَا يَذَّكَّرُ إِلَّا أُولُو الْأَلْبَابِ ۗ وَمَا أَنْفَقْتُمْ

बेशक उसको बडी दौलत दी गई. और नसीहत नहीं मानते मगर होशमन्द लोग (२६९) और जो भी तुमने भर्य किया

مِّنْ نَّفَقَةٍ أَوْ نَذْرَتْمْ مِّنْ نَّذْرٍ فَإِنَّ اللَّهَ يَعْلَمُهُ وَمَا لِلظَّالِمِينَ

या कोई भी मन्त मानी, तो बे-शक अल्लाह उसको जानता है. और नहीं है जालिमोंके लिये

مِنَ النَّصَارِ ۗ إِنْ تَبَدُّوا وَالصَّدَقَاتِ فَنِعْمًا هِيَ ۗ وَإِنْ تُخَفُّوْهَا

कोई महदगार (२७०) अगर ओवानिया हो सहकत, तो भी क्या भुभ, और उसको छुपाओ

وَتَوْتُوْهَا الْفَقْرَاءَ فَهُوَ خَيْرٌ لَّكُمْ وَيُكَفِّرْ عَنْكُمْ مِّنْ سَيِّئَاتِكُمْ ۗ

और इकीरोंको हो, तो यह बेहतर है तुम्हारे लिये. और दूर कर देगा तुमसे तुम्हारे कुछ गुनाह.

وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرٌ ﴿۱۴۱﴾ لَيْسَ عَلَيْكَ هُدَاهُمْ وَلَكِنَّ اللَّهَ

और अल्लाह तुम्हारे कियेसे बापबर है (२७१) नहीं है तुम्हारे जिम्मे उनकी हिदायत. हां, अल्लाह

يَهْدِي مَنْ يَشَاءُ ۗ وَمَا تُنْفِقُوا مِنْ خَيْرٍ فَلَا تُنْفِسْكُمْ ۗ وَمَا

हिदायत दे जिसे चाहे. और जो अच्छी चीज बर्च करो, तो वोह तुम्हारे आपके लिये फाईदामन्द है. और नहीं है

تُنْفِقُونَ إِلَّا ابْتِغَاءَ وَجْهِ اللَّهِ ۗ وَمَا تُنْفِقُوا مِنْ خَيْرٍ يُوَفِّ

राहे भुदामें देना तुम्हारा, मगर यह कि अल्लाहकी मरजी चाहनेको. और जो अच्छा माल हो, तुमको पूरा पूरा दिया जायेगा,

إِلَيْكُمْ وَأَنْتُمْ لَا تظَلُمُونَ ﴿۱۴۲﴾ لِلْفُقَرَاءِ الَّذِينَ أَحْصَرُوا فِي

और तुम पर जुल्म न किया जायेगा (२७२) यह सटके उन फकीरोंके लिये हैं, जो अल्लाहकी राहमें

سَبِيلِ اللَّهِ لَا يَسْتَطِيعُونَ ضَرْبًا فِي الْأَرْضِ يَحْسِبُهُمُ الْجَاهِلُ

मसरूफ कर दिये गये, जमीनमें कहीं आ जा नहीं सकते, बेभबर भयाल करे

أَعْيَاءٍ مِنَ التَّعَفُّفِ ۗ تَعْرِفُهُمْ بِسِيَاهِهِمْ لَا يَسْأَلُونَ النَّاسَ

कि मालदार हैं उनके सवालसे बचनेसे. तुम पहचान लोगे उनकी उनकी रूप-रंगतसे. नहीं सवाल करते लोगोंसे

إِلْحَافًا ۗ وَمَا تُنْفِقُوا مِنْ خَيْرٍ فَإِنَّ اللَّهَ بِهِ عَلِيمٌ ﴿۱۴۳﴾ الَّذِينَ

गिडगिडा कर. और तुम जो धैरातमें हो, तो भेशक अल्लाह उसका जाननेवाला है (२७३) जो लोग

يُنْفِقُونَ أَمْوَالَهُمْ بِاللَّيْلِ وَالنَّهَارِ سِرًّا وَعَلَانِيَةً ۗ فَلَهُمْ أَجْرُهُمْ

बर्च करें अपने मालकी रात दिन, पोशीदा और अलानिया, तो उनके लिये उनका अज्र है

عِنْدَ رَبِّهِمْ ۗ وَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ﴿۱۴۴﴾ الَّذِينَ

उनके रभके पास, और न उन पर कोई भौंक और न वोह रन्धदा हों (२७४)... जो

يَأْكُلُونَ الرِّبَا إِلَّا يَقُومُونَ إِلَّا كَمَا يَقُومُ الَّذِي يَتَخَبَّطُهُ

भाअें सूदकी, न भउे होंगे हशरमें, मगर जैसे भडा होता है वोह, जिसको भभती बना देता है

الشَّيْطَانُ مِنَ الْمَسِّ ۗ ذَلِكَ بِأَنَّهُمْ قَالُوا إِنَّا الْبَائِعُونَ الرِّبَا

आसेभ हू कर. यह ठस सभभसे, कि उन्होंने कडा कि "बैअ भस सूद हीकी तरह है..."

وَاحْتَلَّ اللَّهُ الْبَيْعَ وَحَرَّمَ الرِّبَا ۗ فَمَنْ جَاءَهُ مَوْعِظَةٌ مِنْ رَبِّهِ

हालांकि हलाल करमा दिया अल्लाहने बैअकी, और हराम करमा दिया सूदकी. तो आ गया जिसके पास पैगामे नसीहत उसके रभकी तरफसे,

فَأَنتَهِى فَلَهِ مَا سَلَفَ ۖ وَأَمْرُهُ إِلَى اللَّهِ ۗ وَمَنْ عَادَ فَأُولَٰئِكَ

ફિર વોહ બાઝ આ ગયા તો, ઉસીકા જો પહલે લે ચુકા. ઓર ઉસકા મુઆમલા અલ્લાહકે સિપુર્દ હે. ઓર જિસને ફિર કિયા, તો વોહ

أَصْحَابُ النَّارِ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿۲۵﴾ يَمْحَقُ اللَّهُ الرِّبَا وَيُرِي

જહન્નમવાલે હે, ઉસમેં મુદતોં રહનેવાલે (૨૭૫) મિટાતા હે અલ્લાહ સૂદકો, ઓર બઠાતા હે

الصَّدَقَاتِ ۗ وَاللَّهُ لَا يُحِبُّ كُلَّ كَفَّارٍ أَثِيمٍ ﴿۲۶﴾ إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا

સદકાતકો. ઓર અલ્લાહ નહીં પસન્દ ફરમાતા કિસી નાશુકે ગુનહગારકો (૨૭૬) બે-શક જો ઈમાન લાએ ઓર

عَمِلُوا الصَّالِحَاتِ وَأَقَامُوا الصَّلَاةَ وَآتَوُا الزَّكَاةَ لَهُمْ أَجْرُهُمْ

નેક કામ કિયે, ઓર નમાઝ કાઈમ રખી, ઓર ઝકાત દિયા કિયે, ઉનકે લિયે ઉનકા અજ્ર હે

عِنْدَ رَبِّهِمْ وَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ﴿۲۷﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

ઉનકે રબકે પાસ. ઓર ન ઉન પર કોઈ ખોફ ઓર ન વોહ રન્જીદા હોં (૨૭૭) એ ઈમાનવાલો !

آمَنُوا اتَّقُوا اللَّهَ وَذَرُوا مَا بَقِيَ مِنَ الرِّبَا إِن كُنْتُمْ مُؤْمِنِينَ ﴿۲۸﴾

ડરો અલ્લાહકો, ઓર છોડ દો જો બકાયા હે સૂદકા, અગર તુમ ઈમાનવાલે હો (૨૭૮)

فَإِن لَّمْ تَفْعَلُوا فَأْذَنُوا بِحَرْبٍ مِّنَ اللَّهِ وَرَسُولِهِ ۗ وَإِن تُبْتِغُوا

પસ અગર તુમને યહ ન કિયા, તો તૈયાર હો જાઓ લડાઈકે લિયે અલ્લાહ ઓર ઉસકે રસૂલસે. ઓર અગર તાઈબ હો ગએ,

فَلَكُمْ رُءُوسٌ وَأَمْوَالِكُمْ لَا تَظْلِمُونَ وَلَا تُظْلَمُونَ ﴿۲۹﴾ وَإِن كَانَ

તો તુમ્હારે લિયે તુમ્હારી અસ્લ રકમહે. ન તુમ ઝુલ્મ કરો ઓર ન તુમ ઝુલ્મ કિયે જાઓ (૨૭૯) ઓર અગર કર્જદાર

ذُو عُسْرَةٍ فَنَظِرَةٌ إِلَىٰ مَيْسَرَةٍ ۗ وَإِن تَصَدَّقُوا خَيْرٌ لَّكُمْ إِن

તંગદસ્ત હે, તો હકે મોહલત હે આસાનીસે અદા કરને તક, ઓર કર્જ મુઆફ કર દો તો ઝ્યાદા બેહતર હે તુમ્હારે લિયે, અગર

كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ ﴿۳۰﴾ وَاتَّقُوا يَوْمًا تُرْجَعُونَ فِيهِ إِلَى اللَّهِ ۗ تَفَّٰثًا

દાનાઈસે કામ લો (૨૮૦) ઓર ડરો ઉસ દિનકો, કિ લોટાએ જાઓગે જિસમેં અલ્લાહકી તરફ... ફિર

تَوَفَّىٰ كُلُّ نَفْسٍ مَّا كَسَبَتْ وَهُمْ لَا يُظْلَمُونَ ﴿۳۱﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

પૂરા પૂરા બદલા દિયા જાએગા હર એક, જો ઉસને કમા રખા હે, ઓર વોહ ઝુલ્મન કિયે જાએગે (૨૮૧) અય ઈમાનવાલો !

آمَنُوا إِذَا تَدَايَنُكُمْ بِدَيْنٍ إِلَىٰ أَجَلٍ مُّسَمًّى فَاكْتُبُوهُ وَلْيَكْتُبَ

જબ લેનદેનકા મુઆમલા કરો કર્જકી સૂરતમેં, મુદતે મુકરરરા તક, તો ઉસકો લિખ લો. ઓર લિખનેવાલેકો ચાહિયે

بَيْنَكُمْ كَاتِبٌ بِالْعَدْلِ وَلَا يَأْب كَاتِبٌ أَنْ يَكْتُبَ كَمَا عَلَّمَهُ

कि तुम्हारे दरमियान ईसाइसे लिभे, और कातिब किताबतसे ईकार न करे, जैसा कि उसको अल्लाहने सिखा दिया,

اللَّهُ فَلَْيَكْتُبْ وَلْيَمْلِكِ الَّذِي عَلَيْهِ الْحَقُّ وَلْيَتَّقِ اللَّهَ رَبَّهُ

तो उसको लिभना याहिये. और लिभे लिभाये वोह, जिस पर हक है, और वोह उरे अल्लाह अपने रबको,

وَلَا يَخْسُ مِنْهُ شَيْئًا ۗ فَإِنْ كَانَ الَّذِي عَلَيْهِ الْحَقُّ سَفِيهًا

और कम न करे उस हकसे कुछ. पस अगर जिस पर हक है, वोह बेवकूफ

أَوْ ضَعِيفًا أَوْ لَا يَسْتَطِيعُ أَنْ يُمِلَّ هُوَ فَلْيَمْلِكْ وَلِيَّهُ بِالْعَدْلِ

या कमजोर हो, या लिभ लिभा न सकता हो, तो उसका वली लिभा दे ईसाइसे.

وَأَسْتَشْهِدُ وَاشْهَيْدَيْنِ مِنْ رِجَالِكُمْ فَإِنْ لَمْ يَكُونَا رَجُلَيْنِ

और गवाही करा दो गवाहोंकी अपने मर्दोंसे. फिर अगर दो मर्द न हों,

فَرَجُلٌ وَامْرَأَتْنِ مِمَّنْ تَرْضَوْنَ مِنَ الشُّهَدَاءِ أَنْ تَضِلَّ

तो अक मर्द और दो औरतें, जो मरजी मुताबिक हों गवाहों से, उन औरतोंमें अक तूल जाये,

أَحَدُهُمَا فَبَدَّلْهُمَا الْآخَرَىٰ ۗ وَلَا يَأْب كَاتِبٌ إِذَا مَادَّعَوْا ۗ

तो याद दिला दे अक दूसरीको. और न ईकार करें गवाह लोग, जब बुलाये जायें.

وَلَا تَسْأَلُونَ أَنْ تَكْتُبُوهُ صَغِيرًا أَوْ كَبِيرًا إِلَىٰ أَجَلٍ ۗ ذَٰلِكُمْ أَقْسَطُ عِنْدَ

और सुस्ती न करो, छोटा मुआमला हो या बडा, उसकी भीआद तक लिभनेमें. यह अल्लाहके नजदीक बडा ईसाइ

اللَّهُ وَأَقْوَمُ لِلشَّهَادَةِ وَأَدْنَىٰ أَلَّا تَرْتَابُوا إِلَّا أَنْ تَكُونَ تِجَارَةً

और गवाहीके लिये जयादा मजबूत, और तुम्हारे शकमें न पडनेके लिये जयादा करीब है, मगर यह कि दुकानदारी

حَاضِرَةً تُدِيرُونَهَا بَيْنَكُمْ فَلَيْسَ عَلَيْكُمْ جُنَاحٌ أَلَّا تَكْتُبُوهَا ۗ

नकद हो, कि बाडम डायों डाय फिराते हो, तो तुम पर कोई ईलजाम नहीं उसके न लिभनेका.

وَأَشْهِدُوا إِذَا تَبَايَعْتُمْ ۗ وَلَا يُضَارُ كَاتِبٌ وَلَا شَهِيدٌ ۗ وَإِنْ

और गवाह कर लिया करो जब भरीदो इरोफ्त करो. और न नुकसान पडोंये पडोंयाये कातिब, और न गवाह.. और अगर यह

تَفَعَّلُوا فَإِنَّهُ فَسَوْقٌ بِكُمْ وَاتَّقُوا اللَّهَ ۗ وَيُعَلِّمُكُمُ اللَّهُ ۗ وَاللَّهُ

किया, तो भेशक यह तुम्हारी नाकरमानी है, और अल्लाहको डरो, और सिखाता है तुमको अल्लाह, और अल्लाह

بِكُلِّ شَيْءٍ عَلَيْهِ ۝ وَإِنْ كُنْتُمْ عَلَىٰ سَفَرٍ وَلَمْ تَجِدُوا كَاتِبًا

ہر شے پر جو اس پر ہے (۲۷۲) اور اگر تم مسافر ہو اور کسی کاتب کو نہ پاو

فَرِهْنِ مَّقْبُوضَةٌ ۖ فَإِنْ أَمِنَ بَعْضُكُم بَعْضًا فَلْيُؤَدِّ الَّذِي

جو تم پر ہے مقبوضہ ہے۔ اگر تم میں سے بعض آپس میں امان بنا لیں، تو جس کو

أَوْثِنَ أَمَانَتَهُ وَلْيَتَّقِ اللَّهَ رَبَّهُ ۖ وَلَا تَكْتُمُوا الشَّهَادَةَ ۗ وَمَنْ

امان بنا لیا، اس کی امانت کو، اور اسے اللہ سے ڈرے۔ اور نہ چھپاؤ گواہی کو۔ اور جو

يَكْتُمُهَا فَإِنَّهُ إِثْمٌ قَلْبُهُ ۖ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ عَلِيمٌ ۝ وَإِلَّا فِي

اس کو چھپانے کا تو اس کا دل گنہگار ہے۔ اور اللہ تمہارے کئے کو جاننے والا ہے (۲۷۳) اللہ ہی کو

السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ وَإِنْ تُبَدُّوا مَا فِي أَنْفُسِكُمْ أَوْ

آسمانوں اور جو زمین میں ہے۔ اور اگر بدل دیا کرو جو تمہارے دلوں میں ہے، یا

مُخْفَوَةٌ يُحَاسِبُكُمْ بِهِ اللَّهُ فَيَغْفِرُ لِمَنْ يَشَاءُ وَيُعَذِّبُ مَنْ يَشَاءُ ۗ

میں چھپا کر رکھو، جو اللہ تم سے اس کا حساب لے گا۔ تو جس کو چاہے بخشے اور جس کو چاہے سزا دے۔

وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ۝ أَمَّا الرَّسُولُ بِمَا أُنزِلَ إِلَيْهِ مِنْ

اور اللہ ہر شے پر قادر ہے (۲۷۴) مگر رسول کو جو کچھ اتارا گیا، اس کی

رَبِّهِ وَالْمُؤْمِنُونَ كُلٌّ آمِنٌ بِاللَّهِ وَمَلَيْكَتِهِ وَكُتُبِهِ وَرُسُلِهِ لَا

جاننے والے، اور سب ایمان والے، اللہ اور اس کے فرشتوں اور اس کی کتابوں اور اس کے

نُفَرِّقُ بَيْنَ أَحَدٍ مِنْ رُسُلِهِ ۖ وَقَالُوا سَمِعْنَا وَأَطَعْنَا غُفْرًا أَنْكَ

کی ہم فرقہ نہیں کرتے اللہ کے رسولوں سے کسی کے ماننے میں۔ اور سب نے کہا کہ ہم نے سنا اور

رَبَّنَا وَإِلَيْكَ الْمَصِيرُ ۝ لَا يُكَلِّفُ اللَّهُ نَفْسًا إِلَّا وُسْعَهَا لَهَا مَا

پروردگار! اور تیرے پاس ہی ہے لوٹنے کا (۲۷۵) نہ کسی کو بوجھ دے گا، مگر اس کی

كَسَبَتْ وَعَلَيْهَا مَا اكْتَسَبَتْ رَبَّنَا لَا تُؤَاخِذْنَا إِنْ نَسِينَا أَوْ

کما کر لے اور اس پر بوجھ نہ ہو بھولنے کی، پروردگار! ہم پر گنہگار نہ کر، اگر ہم

أَخْطَاْنَا رَبَّنَا وَلَا تَحْمِلْ عَلَيْنَا إصْرًا كَمَا حَمَلْتَهُ عَلَى الَّذِينَ

گنہگار ہوئے یا بوجھ لے لیں۔ پروردگار! اور نہ ہم پر بوجھ، جس طرح تو نے

مِنْ قَبْلِنَا رَبَّنَا وَلَا تَحْمِلْنَا مَا لَا طَاقَةَ لَنَا بِهِ وَاعْفُ عَنَّا ذُنُوبَنَا

ہم سے پہلے تھے۔ پروردگار! نہ بوجھ کر ہم کو اس سے جس کی ہم کو سکت نہ ہو، اور مہربانی فرما دے ہم کو..

وَاعْفِرْ لَنَا وَارْحَمْنَا إِنَّكَ مَوْلَانَا فَانصُرْنَا عَلَى الْقَوْمِ الْكَافِرِينَ ﴿۸۷﴾

اور بخش دے ہم کو.. اور ہم پر رحمت فرما.. تو ہمارا مولا ہے، تو ہماری مدد فرما کفر کرنے والوں پر (۲۷۴)

سُورَةُ الْاِنْمَانِ ۱۹ مَائِدَةُ ۳۰

سورہ آل عمران ۲۰۰ تا ۲۰۲ آیات نام سے اہل اللہ کے ہذا مہربان ہونے والا

اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ الْحَيُّ الْقَيُّومُ ۝ نَزَّلَ عَلَيْكَ الْكِتَابَ

الہ، وہی، اللہ، لا الہ الا وہی، حی، قیوم، نازل کیا ہے آپ کو کتاب

بِالْحَقِّ مُصَدِّقًا لِمَا بَيْنَ يَدَيْهِ وَأَنزَلَ التَّوْرَةَ وَالْإِنْجِيلَ ۝

حکمت کے ساتھ، توحید پر مبنی اور ان کی جو آیتیں تورات اور انجیل کے

مِنْ قَبْلُ هُدًى لِّلنَّاسِ وَأَنزَلَ الْفُرْقَانَ ۝ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا

ہم سے پہلے ہدایت کے لیے لوگوں کو دیے، اور انہیں فرقان نازل کیا، جو انہیں

بِآيَاتِ اللَّهِ لَهُمْ عَذَابٌ شَدِيدٌ ۝ وَاللَّهُ عَزِيزٌ ذُو انْتِقَامٍ ۝

اللہ کے آیتوں سے، ان کے لیے سخت عذاب ہے۔ اور اللہ بے شکستہ اور انتقامی ہے (۸)

اللَّهُ لَا يَخْفَى عَلَيْهِ شَيْءٌ فِي الْأَرْضِ وَلَا فِي السَّمَاءِ ۝ هُوَ الَّذِي

اللہ کو کچھ بھی نہیں چھپتا زمین میں اور نہ آسمان میں (۹) وہی ہے جو

يُصَوِّرُكُمْ فِي الْأَرْحَامِ كَيْفَ يَشَاءُ ۝ لَّا إِلَهَ إِلَّا هُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۝

ہم کو شکم میں کیسے چاہتا ہے۔ وہی ہے جو تم کو شکم میں جیسا چاہتا ہے۔ وہی ہے جو تم کو

هُوَ الَّذِي أَنزَلَ عَلَيْكَ الْكِتَابَ مِنْهُ آيَاتٌ مُحْكَمَاتٌ هُنَّ أُمُّ الْكِتَابِ

وہی ہے جو انہیں کتاب نازل کیا، اس کی کچھ آیتیں ایسی ہیں جو کتاب کی

وَأُخْرٌ مُّتَشَبِهَاتٌ ۝ فَأَمَّا الَّذِينَ فِي قُلُوبِهِمْ زَيْغٌ فَيَتَّبِعُونَ مَا

دوسری کچھ ایسی ہیں جو جھوٹی ہیں۔ اور جو لوگوں میں گمراہی ہے، وہی ہے جو

تَشَابَهَ مِنْهُ ابْتِغَاءَ الْفِتْنَةِ وَابْتِغَاءَ تَأْوِيلِهِ ۝ وَمَا يَعْلَمُ

اس کی آیتوں کی جھوٹی اور اصل کی بات بنانے کی خواہش میں... لہذا وہی ہے جو

وَقَدْ عَلِمْتُمْ  
لِقَوْلِ اللَّهِ

تَأْوِيلَهُ إِلَّا اللَّهُ ۗ وَالرُّسُخُونَ فِي الْعِلْمِ يَقُولُونَ آمَنَّا بِهِ ۗ

अस्व मतलबकी, अल्लाहके सिवा... और मजबूती रबनेवाले षल्ममें केहते हैं हम उसको मान गये,

كُلٌّ مِّنْ عِنْدِ رَبِّنَا ۗ وَمَا يَذَّكَّرُ إِلَّا أُولُو الْأَلْبَابِ ۗ رَبَّنَا لَا

सब हमारे परवरदिगारकी तरफसे है. और नसीहत नहीं कबूल करते, मगर अकलमन्ह लोग (७) परवरदिगारा न

تُزِعْ قُلُوبَنَا بَعْدَ إِذْ هَدَيْتَنَا وَهَبْ لَنَا مِن لَّدُنكَ رَحْمَةً ۗ

कज इरमा हमारे दिलोंकी बा'द षसके, कि छिदायत बप्शी तूने हमको, और हे हमें अपने पाससे रहमत.

إِنَّكَ أَنْتَ الْوَهَّابُ ۗ رَبَّنَا إِنَّكَ جَامِعُ النَّاسِ لِيَوْمٍ أَلَمِيَّ

बेशक तू ही बडा देनेवाला है (८) परवरदिगारा बेशक तू षकडा करनेवाला है लोगोंकी अक दिन, जिसमें कोठ

فِيهِ ۗ إِنَّ اللَّهَ لَا يُخْلِفُ الْمِيثَاقَ ۗ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا لَن

शक नहीं. बेशक अल्लाह नहीं करता भिलाई वा'दा (८) बेशक जिन्होंने कुफ़ किया, डरगिज उनको

تُعْنَى عَنْهُمْ أَمْوَالُهُمْ وَلَا أَوْلَادُهُمْ مِّنَ اللَّهِ شَيْئًا وَأُولَئِكَ

बेपरवाह न कर सकेंगे उनके माल, और न उनकी औलाह, अल्लाहसे कुछ भी, और वोही हैं

هُم وَقَوْمُ النَّارِ ۗ كَذَّابٍ إِلَىٰ فِرْعَوْنَ ۗ وَالَّذِينَ مِن قَبْلِهِمْ

जडनमका षधन (१०) भिष्व अन्दाज फिरऔनियोंके, और जो उनसे पहले थे.

كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا ۗ فَآخَذَهُمُ اللَّهُ بِذُنُوبِهِمْ ۗ وَاللَّهُ شَدِيدٌ

जुटलाया हमारी आयतोंको, तो गिरफ्त इरमाठ उनकी अल्लाहने उनके गुनाहोंकी वजहसे. और अल्लाह सप्त अजाब इरमाने

الْعِقَابِ ۗ قُلْ لِلَّذِينَ كَفَرُوا سَتُغْلَبُونَ وَتُحْشَرُونَ إِلَىٰ

वाला है (११) केह दो उनको जिन्होंने कुफ़ किया, कि नजदीक है कि तुम मगदूब होंगे और हांके जाओगे जडनम

جَهَنَّمَ ۗ وَبِئْسَ الْبِهَادُ ۗ قَدْ كَانَ لَكُمْ آيَةٌ فِي فِتْنَةِ الْتَقَاتِ

की तरफ. और वोड निहायत भुरा बिस्तर है (१२) बे-शक तुम्हारे विधे निशानी थी उन दो गिरोहोंमें, जो बाडम भिड गये थे,

فِعَةٍ تَقَاتِلُ فِي سَبِيلِ اللَّهِ وَأُخْرَىٰ كَافِرَةٌ يَرَوْنَهُم

अक गिरोह लड रहा था अल्लाहकी राडमें, और दूसरा गिरोह काकिर, कि हेभें उनको

مِثْلَيْهِمْ رَأَى الْعَيْنُ ۗ وَاللَّهُ يُؤَيِّدُ بِنَصَرِهِ مَن يَشَاءُ ۗ إِنَّ

अपनेसे हूना बयशमे भुड. और अल्लाह कुव्वत हे अपनी मददसे जिसे चाडे. बे-शक

فِي ذَلِكَ لَعِبْرَةٌ لِّأُولِي الْأَبْصَارِ ﴿۱۳﴾ زَيْنَ لِلنَّاسِ حُبُّ

उसमें ज़रूर एब्रत है सूझबूझवालोंके लिये (१३) नज़र फ़रेब बना दी गयी लोगोंके लिये

الشَّهَوَاتِ مِنَ النِّسَاءِ وَالْبَنِينَ وَالْقَنَاطِيرِ الْمُقَنْطَرَةِ مِنَ

प्रादेशातकी मलबहत, औरतों और बेटों, और तेल बनेल

الدَّهَبِ وَالْفِضَّةِ وَالْخَيْلِ الْمُسَوَّمَةِ وَالْأَنْعَامِ وَالْحَرْثِ

सोने चांदीके ढेरों, और निशान दिये दूअे घोड़ों, और मवेशियों और भेतसे.

ذَلِكَ مَتَاعُ الْحَيَاةِ الدُّنْيَا ۗ وَاللَّهُ عِنْدَهُ حُسْنُ الْمَبَإِ ﴿۱۴﴾

यह इस ज़िन्दगीकी पूंज है. और अल्लाह, उसीके पास है अस्था ठिकाना (१४)

قُلْ أَوْتِبْتُكُمْ بِخَيْرٍ مِّنْ ذِكْمِ الَّذِينَ اتَّقَوْا عِنْدَ رَبِّهِمْ

केल दो क्या हम बना दें तुमको इससे बेहततर. उनके लिये जो परहेज़गार दूअे उनके रबके पास

جَنَّتْ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا وَأَزْوَاجٌ

जन्तें हैं, कि जिनके नीचे नहरें जारी हैं, उसमें हमेशा रहनेवाले हैं और प्राकीजा

مُطَهَّرَةٌ وَرِضْوَانٌ مِّنَ اللَّهِ ۗ وَاللَّهُ بَصِيرٌ بِالْعِبَادِ ﴿۱۵﴾ الَّذِينَ

भीबियां हैं, और अल्लाहकी तरफ़से पुरानूदी है. और अल्लाह देखनेवाला है बन्दोंको (१५) वोह जो

يَقُولُونَ رَبَّنَا إِنَّنَا أَمْنَا فَأَغْرَلْنَا ذُنُوبَنَا وَتَنَا عَذَابَ النَّارِ ﴿۱۶﴾

कहें कि परवरदिगारा बेशक हम मान गये, तू बापश दे हमारे गुनाहोंको, और बया हमको अजाबे ज़हन्नमसे (१६)

الصَّابِرِينَ وَالصَّادِقِينَ وَالْقَانِتِينَ وَالْمُنْفِقِينَ وَ

यह सभ्र करनेवाले, और सच बोलनेवाले, और अदब करनेवाले, और भयं करनेवाले, और

الْمُسْتَغْفِرِينَ بِالْأَسْحَارِ ﴿۱۷﴾ شَهِدَ اللَّهُ أَنَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ

बापशिश मांगनेवाले पिछली रातमें (१७) अल्लाह गवाह है कि “बेशक नहीं कोरि मा'बूद उसके सिवा.”

وَالْمَلِكُ وَأُولُوا الْعِلْمِ قَائِمًا بِالْقِسْطِ ۗ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ

और इरिशतोंने गवाही दी और एल्मवालोंने एन्साफ़ पर काठम रह कर, कि नहीं है कोरि मा'बूद सिवा उसके,

الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ﴿۱۸﴾ إِنَّ الدِّينَ عِنْدَ اللَّهِ الْإِسْلَامُ ۗ وَمَا

गल्बेवाला छिकमतवाला (१८) बेशक दीन अल्लाहके नज़दीक, एस्लाम ही है... और नहीं

التَّوْحِيدِ

اَحْتَلَفَ الَّذِينَ اَوْتُوا الْكِتَابَ اِلَّا مِنْ بَعْدِ مَا جَاءَهُمُ الْعِلْمُ

اِظْمِنُوا كَمَا جَاءَهُمُ الْعِلْمُ اَلَمْ يَكُنْ لَكُمْ اَلْحُكْمُ بِمَا جَاءَكُمْ بِالْبَيِّنَاتِ

بَعِيًا بَيْنَهُمْ وَمَنْ يَكْفُرْ بِآيَاتِ اللَّهِ فَإِنَّ اللَّهَ سَرِيعٌ

بِالْبَيِّنَاتِ اَلَمْ يَكُنْ لَكُمْ اَلْحُكْمُ بِمَا جَاءَكُمْ بِالْبَيِّنَاتِ

اَلْحِسَابِ ۱۹ فَاِنْ حَاجُّوكُمْ فَقُلْ اَسَلَمْتُ وَجْهِيَ لِلَّهِ وَ

اَسَلَمْتُ وَجْهِيَ لِلَّهِ وَجْهِيَ لِلَّهِ وَجْهِيَ لِلَّهِ وَجْهِيَ لِلَّهِ

مَنْ اتَّبَعَنِي فَقُلْ لِّلَّذِيْنَ اَوْتُوا الْكِتَابَ وَالْاٰمِيْنَ

اَلَّذِيْنَ اتَّبَعَنِي فَقُلْ لِّلَّذِيْنَ اَوْتُوا الْكِتَابَ وَالْاٰمِيْنَ

اَسَلَمْتُمْ فَاِنْ اَسَلَمْتُمْ فَقَدْ اِهْتَدَوْا ۚ وَاِنْ كُوَلُّوا فَاِنَّمَا

اَسَلَمْتُمْ فَاِنْ اَسَلَمْتُمْ فَقَدْ اِهْتَدَوْا ۚ وَاِنْ كُوَلُّوا فَاِنَّمَا

عَلَيْكَ الْبَلٰغُ ۗ وَاللّٰهُ بِصِيْرٍ بِالْعِبَادِ ۚ اِنَّ الَّذِيْنَ يَكْفُرُوْنَ

عَلَيْكَ الْبَلٰغُ ۗ وَاللّٰهُ بِصِيْرٍ بِالْعِبَادِ ۚ اِنَّ الَّذِيْنَ يَكْفُرُوْنَ

بِآيَاتِ اللّٰهِ وَيَقْتُلُوْنَ النَّبِيْنَ بِغَيْرِ حَقٍّ وَيَقْتُلُوْنَ الَّذِيْنَ

بِآيَاتِ اللّٰهِ وَيَقْتُلُوْنَ النَّبِيْنَ بِغَيْرِ حَقٍّ وَيَقْتُلُوْنَ الَّذِيْنَ

يَاْمُرُوْنَ بِالْقِسْطِ مِنَ النَّاسِ فَبَشِّرْهُمْ بِعَذَابٍ اَلِيْمٍ ۖ

يَاْمُرُوْنَ بِالْقِسْطِ مِنَ النَّاسِ فَبَشِّرْهُمْ بِعَذَابٍ اَلِيْمٍ ۖ

اُولٰٓئِكَ الَّذِيْنَ حَبِطَتْ اَعْمَالُهُمْ فِي الدُّنْيَا وَالْاٰخِرَةِ وَ

اُولٰٓئِكَ الَّذِيْنَ حَبِطَتْ اَعْمَالُهُمْ فِي الدُّنْيَا وَالْاٰخِرَةِ وَ

مَا لَهُمْ مِنْ نٰصِرِيْنَ ۗ اَلَمْ تَرَ اِلَى الَّذِيْنَ اَوْتُوا نَصِيْبًا

مَا لَهُمْ مِنْ نٰصِرِيْنَ ۗ اَلَمْ تَرَ اِلَى الَّذِيْنَ اَوْتُوا نَصِيْبًا

مِّنَ الْكِتٰبِ يُدْعَوْنَ اِلَى الْكِتٰبِ اللّٰهِ لِيَحْكَمَ بَيْنَهُمْ ثُمَّ

مِّنَ الْكِتٰبِ يُدْعَوْنَ اِلَى الْكِتٰبِ اللّٰهِ لِيَحْكَمَ بَيْنَهُمْ ثُمَّ

يَتَوَلَّىٰ قَرْيٰتٍ مِّنْهُمْ وَهُم مَّعْرُضُوْنَ ۗ ۚ ذٰلِكَ بِمَا رَّبُّهُمْ قَالُوْا

يَتَوَلَّىٰ قَرْيٰتٍ مِّنْهُمْ وَهُم مَّعْرُضُوْنَ ۗ ۚ ذٰلِكَ بِمَا رَّبُّهُمْ قَالُوْا

لَنْ تَسْنَا النَّارَ إِلَّا أَيَّامًا مَّعْدُودَاتٍ ۚ وَغَرَّهُمْ فِي دِينِهِمْ

ن છૂએગી હમકો આગ, મગર ચન્દ દિન. ઓર ધોકા દિયા ઉનકો ઉનકે દીનમેં ઉસને

مَا كَانُوا يَفْتَرُونَ ﴿۲۳﴾ فَكَيْفَ إِذَا جَمَعْتَهُمْ لِيَوْمٍ لَا رَيْبَ فِيهِ

જો જૂટ ઈફ્તિરા કરતે થે (૨૪) પસ કેસા હાલ હોગા જહાં હમને ઈકઠ્ઠા કર દિયા ઉનકો ઉસ દિન, કિ જિસમેં કોઈ શક નહીં.

وَوَقَيْتَ كُلَّ نَفْسٍ مَّا كَسَبَتْ وَهُمْ لَا يُظْلَمُونَ ﴿۲۴﴾ قُلِ

ઓર પૂરા પૂરા દિયા ગયા હર એક જો ઉસને કમાયા, ઓર વોહ જુલ્મ નહીં કિયે જાતે (૨૫) કહો

اللَّهُمَّ مَلِكُ الْمَلِكِ تَوَتَّى الْمَلِكِ مِنْ تَشَاءٍ وَتَنْزِعُ الْمَلِكِ

યા અલ્લાહ, હર મુલકકે માલિક, તૂ જિસકો યાહે હુકૂમત દે ઓર જિસસે યાહે છીન

مِمَّنْ تَشَاءُ وَتُعِزُّ مَنْ تَشَاءُ وَتُذِلُّ مَنْ تَشَاءُ بِيَدِكَ

લે. ઓર જિસકો યાહે ઈઝ્જત દે ઓર જિસે યાહે રુસ્વાઈ દે. તેરે હી કબ્જે

الْخَيْرِ إِنَّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۲۵﴾ تَوَلَّجَ اللَّيْلَ فِي النَّهَارِ

હર ભવાઈ હે. બેશક તૂ હર યાહે પર કુદરત રખનેવાલા હે (૨૬) તૂ રાતકો દિનમેં

وَتَوَلَّجَ النَّهَارَ فِي اللَّيْلِ وَتَخْرِجُ الْحَيَّ مِنَ الْمَيِّتِ وَتَخْرِجُ

ઓર દિનકો રાતમેં સમા દે. તૂ જિન્દાકો મુર્દેસે ઓર મુર્દેકો

الْمَيِّتِ مِنَ الْحَيِّ وَتَرزُقُ مَنْ تَشَاءُ بِغَيْرِ حِسَابٍ ﴿۲۶﴾ لَا

જિન્દાસે નિકાલે. ઓર જિસકો યાહે અનગિનાત રોઝી દે (૨૭) ન

يَتَّخِذُ الْمُؤْمِنُونَ الْكَافِرِينَ أَوْلِيَاءَ مِنْ دُونِ الْمُؤْمِنِينَ ۗ

બનાએ ઈમાનવાલે, કાફિરોંકો દોસ્ત, ઈમાનવાલોંકો છોડ કર.

وَمَنْ يَفْعَلْ ذَلِكَ فَلَيْسَ مِنَ اللَّهِ فِي شَيْءٍ ۗ إِلَّا آتَ

ઓર જો એસા કરે, તો નહીં હે અલ્લાહસે વોહ કિસી ઈલાકેમેં, મગર યહ કિ

تَتَّقُوا مِنْهُمْ تُقَاةً ۗ وَيَحَدِّثُكُمْ اللَّهُ نَفْسَهُ ۗ وَإِلَى اللَّهِ

પોફ હો તુમકો ઉનસે કુછ. ઓર ડરાતા હે તુમકો અલ્લાહ અપની હેબતસે. ઓર અલ્લાહ હીકી તરફ

الْمَصِيرُ ﴿۲۷﴾ قُلْ إِنْ تَخَفُوا مَا فِي صُدُورِكُمْ أَوْ تُبْدُوهُ يَعْلَمُهُ

લોટના હે (૨૮) કેહ દો કિ અગર છુપા લો જો તુમહારે સીનોંમેં હે, યા જાહિર કર દો, અલ્લાહ સબકો

اللَّهُ وَيَعْلَمُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ وَاللَّهُ عَلَىٰ

جاننا ہے۔ اور وہ جاننا ہے جو کچھ آسمانوں اور جو کچھ زمیں میں ہے۔ اور اے اللہ

كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۲۹﴾ يَوْمَ تَجِدُ كُلُّ نَفْسٍ مَّا عَمِلَتْ مِنْ خَيْرٍ

ہر شے کے لیے ہے (۲۹) جس دن کی پائے گا ہر ایک جو کمالی ہے (بلائی،

مُحْضَرًا ۙ وَمَا عَمِلَتْ مِنْ سُوءٍ تُوَدُّ لَوْ أَنَّ بَيْنَهَا وَبَيْنَكَ

سامنے ہو، اور جو کر رہی ہے بھلائی۔ ہر ایک چاہے گا، کاش بھلائیوں کے کمانے اور اسی کی جات کے

أَمَدًا بَعِيدًا ۙ وَيُحَذِّرُكُمُ اللَّهُ نَفْسَهُ وَاللَّهُ رَءُوفٌ بِالْعِبَادِ ﴿۳۰﴾

دورسماں، دُور کا کسانا ہوتا۔ اور ڈراتا ہے تم کو اے اللہ اپنی جلاوت سے۔ اور اے اللہ بے حد رحمات والا ہے اپنے بندوں کے لیے (۳۰)

قُلْ إِنْ كُنْتُمْ تُحِبُّونَ اللَّهَ فَاتَّبِعُونِي يُحْبِبْكُمُ اللَّهُ وَيَغْفِرْ

اے اللہ! کہہ دو کہ اگر تم کو دوست رکھنے ہو اے اللہ، تو پیچھے پیچھے چلو میرے، دوست رہو تو کو اے اللہ، اور بخش

لَكُمْ ذُنُوبَكُمْ ۗ وَاللَّهُ غَفُورٌ رَحِيمٌ ﴿۳۱﴾ قُلْ أَطِيعُوا اللَّهَ وَالرَّسُولَ

دے گا تمہارے گناہوں کو۔ اور اے اللہ بخشنے والا رحمات والا ہے (۳۱) اے اللہ! کہہ دو کہ فرمانبردار ہو اللہ اور رسول کے۔

فَإِنْ تَوَلَّوْا فَإِنَّ اللَّهَ لَا يُحِبُّ الْكٰفِرِينَ ﴿۳۲﴾ إِنْ اللَّهُ اصْطَفَىٰ

اگر اگر تم نے بے ایمانی کی، تو بے شک اے اللہ نہیں دوست رکھتا نہ ماننے والوں کو (۳۲) بے شک اے اللہ نے چن لیا

أَدَمَ وَنُوحًا وَآلَ إِبْرٰهِيْمَ وَآلَ عِمْرٰنَ عَلَى الْعٰلَمِينَ ﴿۳۳﴾ ذُرِّيَّتَكَ

آدم کو اور نوح کو اور ابراہیم کی آل اور عمران کی آل کو، سارے جہان پر (۳۳) ایک پانڈان

بَعْضُهَا مِنْ بَعْضٍ ۗ وَاللَّهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿۳۴﴾ إِذْ قَالَتِ امْرَأَتُ

کے ایک دوسرے سے۔ اور اے اللہ سنانے والا جاننے والا ہے (۳۴) جب کہ کذا عمران کی اہلیہ

عِمْرٰنَ رَبِّ اِنِّي نَذَرْتُ لَكَ مَا فِي بَطْنِي مُحَرَّرًا فَتَقَبَّلْ

میں سے کہ ”اے پروردگار! میں نے تیری مانت مان لی، کہ جو میرے پیٹ میں ہے تیرے لیے آزاد رکھے گا، تو قبول

مِنِّي ۙ اِنَّكَ اَنْتَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ﴿۳۵﴾ فَلَمَّا وَضَعَتْهَا قَالَتْ

کرما ہے مجھ سے، بے شک تو ہی سنانے والا جاننے والا ہے” (۳۵) تو جب جانا اسی کو، ہوئی

رَبِّ اِنِّي وَضَعْتُهَا اُنْثَىٰ ۗ وَاللَّهُ اَعْلَمُ بِمَا وَضَعْتَ وَلَيْسَ

”پروردگار! میں نے تو لڑکی جانی۔“ اور اے اللہ پتہ ہی جانتا ہے جو وہ جانی ہے۔ اور نہیں ہے

الدَّكْرُ كَالْأُنْتَى ۚ وَإِنِّي سَيِّئُهَا مَرِيْمَ وَإِنِّي أَعِيذُهَا بِكَ وَ

’’उसका मांगा लडका, मिरल ँस भरगुळीदा लडकीके.’’ और मेंने उसका नाम मरयम रभा है, और में उसको और उसकी नस्लको, तेरी पनाड

ذُرِّيَّتَهَا مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ۖ فَتَقَبَّلَهَا رَبُّهَا بِقَبُولٍ حَسَنٍ

में देती हूं, शैतान मर्दूदसे’’ (उह) तो अरली तरड कबूल करमा लिया उसको, उसके परवरदिगारने,

وَأَنْبَتَهَا نَبَاتًا حَسَنًا ۖ وَكَفَّلَهَا زَكَرِيَّا ۖ كُلَّمَا دَخَلَ عَلَيْهَا زَكَرِيَّا

और बढाया उसको भुब, और कफील बनाया उसका जकरियाको. जब जब दाभिल हूअे उन पर जकरिया

الْبَحْرَابِ وَجَدَ عِنْدَهَا رِزْقًا ۖ قَالَ لَيْرِيْمُ إِنِّي لَكَ هَذَا

मेडराभमें, तो पाया उनके पास भानेका सामान, कडा ’’अय मरयम यड तेरे लिये कडांसे डो रडा है.’’

قَالَتَ هُوَ مِنْ عِنْدِ اللَّهِ ۖ إِنَّ اللَّهَ يَرْرِزُقُ مَنْ يَشَاءُ بِغَيْرِ

बोली ’’यड अल्लाडके पाससे है.’’ बेशक अल्लाड जिसे चाहे बेडिसाभ रोजी दे.

حِسَابٍ ۖ هُنَالِكَ دَعَا زَكَرِيَّا رَبَّهُ ۖ قَالَ رَبِّ هَبْ لِي مِنْ

(उठ) ँस मडल पर हुआकी जकरियाने अपने रभसे. अर्ज किया ’’परवरदिगारा मुजको

لَدُنْكَ ذُرِّيَّةً طَيِّبَةً ۖ إِنَّكَ سَمِيعُ الدُّعَاءِ ۖ فَنَادَتْهُ الْمَلَكَةُ

अपने पाससे पाकीजा औवाड दे, बेशक तू हुआका सुननेवाला है’’ (उड) तो आवाज दी उसको इरिशतोंने,

وَهُوَ قَائِمٌ يُصَلِّي فِي الْمَحْرَابِ ۖ أَنَّ اللَّهَ يُبَشِّرُكَ بِيَحْيَى

और वोड भडे नमाज पढ रहे थे मेडराभमें, कि बेशक अल्लाड भुशभबरी सुनाता है तुमको यड्याकी,

مُصَدِّقًا بِكَلِمَةٍ مِنَ اللَّهِ وَسَيِّدًا وَحَصُورًا وَنَبِيًّا ۚ مِنَ

तरडीक करनेवाले अक कलिमाके, जो अल्लाडकी तरडसे है, और सरदार, और औरतोसे बिडकुल मडकूज, और नबी

الضَّالِّحِينَ ۖ قَالَ رَبِّ أَتَىٰ يَكُونُ لِي عُلْمٌ وَقَدْ بَلَغَنِيَ الْكِبَرُ

नेकूकार (उड) कडा ’’परवरदिगारा कडांसे डोगा मेरे लडका, और मुज तक पडोंय गया भुढापा,

وَأَمْرًا ۖ إِنِّي عَاقِرٌ ۖ قَالَ كَذَلِكَ اللَّهُ يَفْعَلُ مَا يَشَاءُ ۖ قَالَ

और मेरी औरत भांज है,’’ ँशाद हूवा ’’ँसी तरड अल्लाड जो चाहे करे’’ (ड०) अर्ज किया

رَبِّ اجْعَلْ لِي آيَةً ۖ قَالَ آيَتُكَ أَلَّا تُكَلِّمَ النَّاسَ ثَلَاثَةَ أَيَّامٍ

’’परवरदिगारा कर दे मेरे लिये कोठ निशानी.’’ इरमान हूवा ’’तेरी निशानी यड है कि न बोवो वोगोंसे तीन दिन,

الَا رَمَزًا وَاذْكُرَّ رَبَّكَ كَثِيرًا وَسِيَّرَ بِالْعَسِيِّ وَالْإِبْكَارِ ﴿۴۱﴾ وَاذْ

مगर धारासे, और याद करो अपने रबको बलबत, और उसकी तस्बीह कर पिछले दिनमें और सुबह तक” (४१) और जब

قَالَتِ الْمَلِكَةُ يَرْيَمُ إِنَّ اللَّهَ اصْطَفَكَ وَظَهَرَ كِ وَ

कहा इरिशतोंने, ऐ मरयम, बे-शक अल्लाहने युन लिया तुमको, और भुब पाकीजा करमाया, और

اصْطَفَكَ عَلَى نِسَاءِ الْعَالَمِينَ ﴿۴۲﴾ يَرْيَمُ اقْنُتِي لِرَبِّكِ

अपनी भुसुसियतमें हुन्या लरकी औरतोंमें तुमको मुन्तभभ किया (४२) ऐ मरयम बा-अदभ रहो अपने रबके लिये,

وَاسْجُدِي وَارْكَعِي مَعَ الرَّاكِعِينَ ﴿۴۳﴾ ذَلِكَ مِنْ أَنْبَاءِ الْغَيْبِ

और सज्दा करती रहो और रुकूअ करो रुकूअ करनेवालोंके साथ (४३) यह गैबकी खबरें हैं कि जरीअे

نُوحِيهِ إِلَيْكَ وَمَا كُنْتَ لَدَيْهِمْ إِذْ يَقُولُونَ أَقْلَامُهُمْ

वही बताते हैं हम तुमको, और न थे तुम पास उनके, जब कि वोह कलमें डेंकते थे, कि कौन कहील हो

يَكْفُلُ مَرْيَمَ وَمَا كُنْتَ لَدَيْهِمْ إِذْ يَخْتَصِمُونَ ﴿۴४﴾ إِذْ قَالَتِ

मरयमका, और न थे तुम उनके पास जब वोह जगडते थे (४४) जब कहा

الْمَلِكَةُ يَرْيَمُ إِنَّ اللَّهَ يُبَشِّرُكِ بِكَلِمَةٍ مِنْهُ اسْمُ الْمَسِيحِ

इरिशतोंने ऐ मरयम बेशक अल्लाह मुज्दा देता है तुमको अक कलमेकी अपने पाससे, जिसका नाम है मसीह

عِيسَى ابْنُ مَرْيَمَ وَجِيهًا فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ وَمِنَ الْمُقَرَّبِينَ ﴿۴५﴾

ईसा, इरजन्दे मरयम, जाहो धुज्जतवाला हुन्या और आभिरतमें, और नजदीकोंसे (४५)

وَيُكَلِّمُ النَّاسَ فِي الْمَهْدِ وَكَهْلًا وَمِنَ الصَّالِحِينَ ﴿۴६﴾ قَالَتْ

और वोह कलाम करेगा लोर्गोंसे गडवारेमें, और बुढापेमें, और नेकूकर होंगे (४६) बोली

رَبِّ آتِي يَكُونُ لِي وَلَدٌ وَلَمْ يَمْسَسْنِي بَشَرٌ قَالَ كَذَلِكَ اللَّهُ

“परवरदिगारा कहांसे मेरे लडका होगा, हावांकि नहीं छुवा मुज्को किसी शप्सने.” इरमाया ईसी तरह अल्लाह पैदा

يَخْلُقُ مَا يَشَاءُ إِذَا قَضَىٰ أَمْرًا فَإِنَّمَا يَقُولُ لَهُ كُنْ فَيَكُونُ ﴿۴७﴾

इरमा दे जो यादे. जब किसी अम्कड लुकम दिया, तो बस उसकी इरमा देता है, कि “हो जा,” तो वोह हो जाता है (४७)

وَيُعَلِّمُهُ الْكِتَابَ وَالْحِكْمَةَ وَالتَّوْرَةَ وَالْإِنْجِيلَ ﴿۴८﴾ وَرَسُولًا

और अल्लाह उसको किताब व डिक्मत और तौरत व धुज्जल सिभाअेगा (४८) और रसूल

إِلَىٰ بَنِي إِسْرَائِيلَ ۚ أَنِّي قَدْ جِئْتُكُمْ بِآيَةٍ مِّن رَّبِّكُمْ ۖ أَنِّي

आले या'कूबकी तरफ़ करेगा, कि "मैं लाया तुम्हारे पास निशानी तुम्हारे रबकी तरफ़से, कि मैं

أَخْلَقْتُ لَكُمْ مِّنَ الطَّيْنِ كَهَيْئَةِ الطَّيْرِ فَأَنْفُخُ فِيهِ فَيَكُونُ

बनाता हूँ तुम्हारे वास्ते, जैसे परिन्दकी सूत, फिर झूंकता हूँ उसमें, तो वोड परिन्द ही

طَيْرًا بِإِذْنِ اللَّهِ ۚ وَأُبْرِئُ الْأَكْمَهَ وَالْأَبْرَصَ ۚ وَأُحْيِي الْمَوْتَىٰ

हो जाता है अल्लाहके हुकमसे. और तनदुरुस्त कर देता हूँ घेदाँशी अन्धे और कोढ़ीको, और जिन्दा कर देता हूँ मुर्दाँको,

بِإِذْنِ اللَّهِ ۚ وَأَتَّبِعُكُمْ بِمَا تَأْكُلُونَ وَمَا تَدَّخِرُونَ فِي بُيُوتِكُمْ ۗ

अल्लाहके हुकमसे. और बता देता हूँ तुमको जो कुछ तुम पाते और जो कुछ जम्अ कर रभते हो अपने घरोंमें.

إِنَّ فِي ذَٰلِكَ لَآيَةً لَّكُمْ إِن كُنتُمْ مُّؤْمِنِينَ ﴿۵۹﴾ وَمُصَدِّقًا لِّمَا

भे-शक उसमें ज़रूर निशानी है तुम्हारे लिये अगर तुम ईमानवालोंसे हो (४८) और मैं हूँ तस्दीक करता उसकी

بَيْنَ يَدَيَّ مِنَ التَّوْرَةِ ۚ وَلَا حِلَّ لَكُمْ بَعْضَ الَّذِي حُرِّمَ

जो मेरे आगे है, तोरेत, और ताकि उलाव कर हूँ तुम्हारे लिये भा'ज वोड चीज जो डरामकी गई थी

عَلَيْكُمْ ۚ وَجِئْتُكُمْ بِآيَةٍ مِّن رَّبِّكُمْ ۖ فَاتَّقُوا اللَّهَ وَأَطِيعُوا

तुम पर, और लाया हूँ मैं निशानी तुम्हारे रबकी तरफ़से... तो अल्लाहको डरो और मेरी ईताअत करो (५०)

إِنَّ اللَّهَ رَبِّي وَرَبُّكُمْ فَاعْبُدُوهُ ۗ هٰذَا صِرَاطٌ مُّسْتَقِيمٌ ﴿۶۰﴾ فَلَمَّا

भेशक अल्लाह मेरा परवरदिगार और तुम्हारा पावनहार है, तो उसीको पूजो. यह सीधा रास्ता है" (५१) पस जब

أَحْسَ عَيْسَىٰ مِنْهُمْ الْكُفْرَ قَالَ مَن أَنْصَارِي إِلَى اللَّهِ ۗ

देभा ईसाने उनकी तरफ़से ईन्डारकी, कडा कौन "मेरा मददगार है अल्लाहकी तरफ़,"

قَالَ الْخَوَارِيُّونَ مَن أَنْصَارُ اللَّهِ ۗ أَمَّا بِاللَّهِ ۖ وَأَشْهَدُ بِأَنَّ

उवारी लोग बोले, "हम मददगार हैं अल्लाहके लिये." "हम मान गअे अल्लाहको. और गवाड हो जाँथे कि हम भेशक

مُسْلِمُونَ ﴿۶۱﴾ رَبَّنَا ۖ آمَنَّا بِمَا أَنْزَلْتَ وَاتَّبَعْنَا الرَّسُولَ ۖ فَاكْتُبْنَا

मुसलमान है" (५२) "परवरदिगारा मान गअे हम जो तूने उतारा, और फरमाँबरदार हो गअे रसूलके, तो हमको डकके

مَعَ الشَّاهِدِينَ ﴿۶۲﴾ وَمَكْرُوهًا وَمَكْرًا ۗ وَاللَّهُ خَيْرُ الْمَكْرِيْنَ ﴿۶۳﴾

गवाडोंमेंलिभ ले" (५३) और सब फरेब भेलेऔर अल्लाहनेउसका जवाबदिया, और अल्लाह फरेबियोंकोसबसेभेडतर जवाब देनेवाला है (५४)

القرآن  
الجزء ۳  
الصفحة ۶۸

إِذْ قَالَ اللَّهُ يُعِيسَى ابْنِ مَرْيَمَ بَرَأْنِي وَرَافِعَكَ إِلَىٰ وَمَطَّرَكَ

जबकि इरमाया अल्लाहने अय ईसा भेशक में पूरी उम्र देनेवाला हूँ तुमको, और अपनी तरफ उठानेवाला हूँ, और साफ सुथरा बनानेवाला

مِنَ الَّذِينَ كَفَرُوا وَجَاعِلِ الَّذِينَ اتَّبَعُوكَ فَوْقَ الَّذِينَ

हूँ तुमको उनसे, जो ईकार कर बैठे हैं, और भुलानेवाला हूँ उनको, जिनोंने तुम्हारी पेरवीकी उन पर, जिनोंने

كَفَرُوا إِلَىٰ يَوْمِ الْقِيَامَةِ ثُمَّ إِلَىٰ مَرْجِعِكُمْ فَأَحْكُمُ بَيْنَكُمْ فِيمَا

ईकार कर दिया क्यामत तक. फिर मेरी तरफ है तुम्हारे लौटनेकी जगह, तो मैं इसला करूँगा तुम लोगोंका

كُنْتُمْ فِيهِ تَخْتَلِفُونَ ۝ فَمَّا الَّذِينَ كَفَرُوا فَأَعَدَّ لَهُمْ عَذَابًا

जिसमें तुम छिन्तिवाइ रहते थे (पप) पस जिनोंने ईकार कर दिया है तो उनको सप्त अजाब

شَدِيدًا فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ وَمَا لَهُمْ مِنْ نُصْرِينَ ۝ وَأَمَّا

हूँगा दुन्या और आभिरतमें, और न ढोगा उनका कोठ मद्दगार (पए) लेकिन

الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ فَيُوَفِّيهِمْ أُجُورَهُمْ وَاللَّهُ

जो मान गये और नेक काम किये, तो पूरा पूरा देगा उनको उनका अज. और अल्लाह

لَا يُحِبُّ الظَّالِمِينَ ۝ ذَلِكَ نَتَلَوُهَا عَلَيْكَ مِنَ الْآيَاتِ وَالذِّكْرِ

नहीं पसन्द इरमाता जालिमोंको (प७) यह उम पढते हैं तुम पर कुछ आयतों और छिक्तत त्परी

الْحَكِيمِ ۝ إِنَّ مَثَلَ عِيسَىٰ عِنْدَ اللَّهِ كَمَثَلِ آدَمَ خَلَقَهُ مِنْ

नसीहत (प८) भेशक ईसाकी मिषाल, अल्लाहके नजदीक, जैसे आदमकी मिषाल है, पैदा इरमाया उनको

تُرَابٍ ثُمَّ قَالَ لَهُ كُنْ فَيَكُونُ ۝ الْحَقُّ مِنْ رَبِّكَ فَلَا تَكُنْ

मिष्टीसे, फिर छुकम दिया उसको कि “हो जा”, इरन हो जाता है (प८) बिदकुल उक है तुम सभके रबकी तरफसे, तो न हो

مِنَ الْمُسْتَكْبِرِينَ ۝ فَمَنْ حَاجَّكَ فِيهِ مِنْ بَعْدِ مَا جَاءَكَ

शक करनेवालोंसे (६०) तो जिसने भी छुजत निकाली उनके बारेमें, भा'द ईसके कि आ चुका तुम तक

مِنَ الْعِلْمِ فَقُلْ تَعَالَوْا نَدْعُ آبَاءَنَا وَآبَاءَكُمْ وَنِسَاءَنَا وَ

ईलम, तो केह दो कि लो अब आ जाओ, उम भुलालें अपने भेटे और तुम्हारे भेटे और अपनी औरतों और

نِسَاءَكُمْ وَأَنْفُسَنَا وَأَنْفُسَكُمْ ۝ ثُمَّ نَبْتِهَلْ فَتَجْعَلْ لَعْنَتَ

तुम्हारी औरतों और अपने अपनों और तुम्हारे अपनोंको... फिर मुभाडला करें, तो मांगें अल्लाहकी छिटकार,

اللَّهُ عَلَى الْكٰذِبِيْنَ ۝۴۱ اِنَّ هٰذَا الَّذِىۡ هُوَ الْقَصَصُ الْحَقُّ وَمَا

जूटों पर (६१) बे-शक यही है ठीक बयान. और नहीं है

مِنۡ اِلٰهٍ اِلَّا اللّٰهُ ۗ وَاِنَّ اللّٰهَ لَهٗوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيْمُ ۝۴۲ فَاِنْ تَوَلَّوْا

कोई मा'बूद अल्लाहके सिवा, और बेशक ज़रूर अल्लाह ही गल्बेवाला छिकमतवाला है (६२) फिर अगर उन्होंने बेरुभीकी,

فَاِنَّ اللّٰهَ عَلِيْمٌۢ بِالْمُفْسِدِيْنَ ۝۴۳ قُلۡ يٰۤاَهْلَ الْكِتٰبِ تَعَالَوْا

तो बिलाशुभ अल्लाह इसाद मयानेवालोंको ज़ाननेवाला है (६३) केह दो कि ओ अहले किताब, आओ

اِلَىٰ كَلِمَةٍ سَوَآءٍۭ بَيْنَنَا وَبَيْنَكُمْ اَلَّا نَعْبُدَ اِلَّا اللّٰهَ وَلَا نَشْرِكَ

ईस बातकी तरफ़ जो हममें तुममें बराबर है, यह कि न पूजें मगर अल्लाहको, और न शरीक मानें

بِهٖ شَيْئًا ۗ وَلَا يَتَّخِذَ بَعْضُنَا بَعْضًا اَرْبَابًا ۗ مِنَ دُوْنِ اللّٰهِ ۝۴

उसका किसी चीज़को, और न बनाओ हममें से कोई किसीको अपना रब, अल्लाहको छोड़ कर.

فَاِنْ تَوَلَّوْا فَقُولُوْا اشْهَدُوْا بِاَنَّا مُسْلِمُوْنَ ۝۴۴ يٰۤاَهْلَ الْكِتٰبِ

फिर अगर मुंड डेरें, तो तुम लोग केह दो कि गवाह रहो, कि हम सब मुसलमान हैं (६४) ओ अहले किताब

لِمَ تَحٰجُّوْنَ فِىۡ اِبْرٰهِيْمَ وَمَا اُنزِلَتِ التَّوْرَةُ وَالْاِنْجِيْلُ

क्यूं डुज्जतें करते हो ईब्राहीमके बारेमें, डावांकि नहीं उतारी गई तौरत व ईन्जिल

اِلَّا مِنْۢ بَعْدِهَاۗ اَفَلَا تَعْقِلُوْنَ ۝۴۵ هٰاَنْتُمْ هٗۤوَالَّذِيۡنَ حٰجَجْتُمْ فِيمَا

मगर उनके बा'द, तो क्या अकल नहीं रहते (६५) सुनो, तुम वोही हो कि डुज्जतें निकालें उसमें

لَكُمْ بِهٖ عِلْمٌ فَلِمَ تُحٰجُّوْنَ فِيمَا لَيْسَ لَكُمْ بِهٖ عِلْمٌ ۗ وَاللّٰهُ

जिसका तुमको ईल्म है, तो उसमें क्यूं कट डुज्जती करते हो जिसका तुम्हें कुछ ईल्म नहीं. और अल्लाह

يَعْلَمُ وَاَنْتُمْ لَا تَعْلَمُوْنَ ۝۴۶ مَا كَانَ اِبْرٰهِيْمُ يَهُودِيًّا وَلَا

ईल्म रहता है और तुम सब बे-ईल्म हो (६६) न थे ईब्राहीम यहूदी, और न

نَصْرَانِيًّا ۗ وَلٰكِنْ كَانَ حَنِيفًا مُّسْلِمًا وَمَا كَانَ مِنَ الْمُشْرِكِيْنَ ۝۴۷

नस्रानी, लेकिन थे डक परस्त, मुसलमान. और न थे मुश्रिकोंसे (६७)

اِنَّ اَوْلٰى النَّاسِ بِاِبْرٰهِيْمَ لَلَّذِيْنَ اتَّبَعُوْهُ وَهٰذَا النَّبِيُّ

बेशक सबसे ज़यादा डकदार ईब्राहीमके वोह हैं, जिन्होंने उनकी पैरवीकी थी, और यह नहीं

وَالَّذِينَ آمَنُوا وَاللَّهُ وَلِيُّ الْمُؤْمِنِينَ ﴿۶۸﴾ وَذَتْ طَائِفَةٌ

اور جو انکو مان گئے۔ اور اہل ایمان کے لیے اللہ ہی ہے (۶۸) اور جو مان لیا ہے ایک جماعت نے

مِنْ أَهْلِ الْكِتَابِ لَوْ يُضِلُّوكُمْ وَمَا يُضِلُّونَ إِلَّا أَنْفُسَهُمْ

اہل کتاب سے، کہ کاش تم لوگوں کو گمراہ کر دے۔ اور انہی گمراہ کرتے مگر خود کو،

وَمَا يَشْعُرُونَ ﴿۶۹﴾ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ لِمَ تَكْفُرُونَ بِآيَاتِ اللَّهِ وَ

اور ناسمجھ ہیں (۶۹) اے اہل کتاب! کیوں انکار کرتے ہو اللہ کی آیتوں کو؟ حالانکہ تم

أَنْتُمْ تَشْهَدُونَ ﴿۷۰﴾ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ لِمَ تَكْفُرُونَ الْحَقَّ بِالْبَاطِلِ

خود شہادت دیتے ہو (۷۰) اے اہل کتاب! کیوں جھوٹے کو سچ سے،

وَتَكْفُرُونَ الْحَقَّ وَأَنْتُمْ تَعْلَمُونَ ﴿۷۱﴾ وَقَالَتْ طَائِفَةٌ مِّنْ

اور جھوٹے کو سچ سے، اور انہی گمراہ کرتے (۷۱) اور کئی ایک گروہ نے

أَهْلِ الْكِتَابِ آمَنُوا بِالَّذِي أُنزِلَ عَلَيَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَجَّهَ

اہل کتاب سے، کہ مان لیا کرو اسکو جو اتارا گیا ہے ایمان والوں پر،

النَّهَارِ وَكَفَرُوا آخِرَهُ لَعَلَّهُمْ يَرْجِعُونَ ﴿۷۲﴾ وَلَا تُؤْمِنُوا إِلَّا

پورے دن، اور سچے ہو جو اس سے شام کو، شام تک مسلمان لوگ ہی سچے ہو جائیں (۷۲) اور تم لوگ نہ مانو مگر

لِسَنِّ تَبِعَ دِينَكُمْ قُلْ إِنَّ الْهُدَىٰ هُدَىٰ اللَّهِ أَنْ يُؤْتَىٰ

اسکو، جس نے تمہارے دین کی پیروی کر لی۔ کہہ دو کہ بے شک حقیقت اللہ کی حقیقت ہے۔ اور یہ کہ کوئی دین

أَحَدٍ مِّثْلَ مَا أُوتِيَكُمْ أَوْ يُنَزَّلُ عَلَيْكُمْ مِنْ سَمَاءٍ قُلْ إِنَّ

کوئی ایسا نہیں ہے، جو تم کو دیا گیا، یا دوسرے لوگ تم سے اتنا جو تمہارے پروردگار کے پاس۔ کہہ دو بے شک

الْفَضْلَ بِيَدِ اللَّهِ يُؤْتِيهِ مَنْ يَشَاءُ وَاللَّهُ وَاسِعٌ عَلِيمٌ ﴿۷۳﴾

فضل اللہ کے ہاتھ میں ہے، جس کو چاہے اسکو دے۔ اور اللہ بڑا وسیع و عالم ہے (۷۳)

يَخْتَصُّ بِرَحْمَتِهِ مَنْ يَشَاءُ وَاللَّهُ ذُو الْفَضْلِ الْعَظِيمِ ﴿۷۴﴾

مہربان ہے اپنی رحمت سے جس کو چاہے۔ اور اللہ بڑا رحیم و رحیم ہے (۷۴)

وَمِنَ أَهْلِ الْكِتَابِ مَنْ إِنْ تَأْمَنَهُ بِقِنطَارٍ يُؤَدِّهِ إِلَيْكَ

اور کوئی کتابی ہے، کہ اگر تمہیں اپنا دین اسکو ایک امانت دے، تو اسکو ادا کر دے تمہارے پاس،

وَمَنْهُمْ مَّنْ إِنْ تَأْمَنَهُ بِيُنَارٍ لَّا يُؤَدُّهُ إِلَيْكَ إِلَّا مَا دُمَّتْ

और कोई वोड है कि अगर अभीन बनाओ उसको मइज अक अशरफ़ीका, तो उसको अदा न करे तुम्हारे पास, मगर जब कि

عَلَيْهِ قَائِمًا ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ قَالُوا لَيْسَ عَلَيْنَا فِي الْأُمِّيِّينَ

उभेशा उस पर डटे भउे रउे। यह ँस सबभसे, कि ँन लोगूँका कौल है, कि उम्मी लोगूँके बारेमें उम पर

سَبِيلٌ وَيَقُولُونَ عَلَى اللَّهِ الْكُذِبَ وَهُمْ يَعْلَمُونَ ﴿۵۵﴾ بَلَىٰ

कोई गिरफ्त नही। और लगाते हैं अल्लाह पर जूट, दीदह व दानिस्ता (७५) हां हां

مَنْ أَوْفَىٰ بِعَهْدِهِ وَاتَّقَىٰ فَإِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ الْمُتَّقِينَ ﴿۵۶﴾ إِنْ

जिसे पूरा कर दिया अपने अउदके और परउेजगार रउा तो, भेशक अल्लाह दोस्तरभता है परउेजगारूँके (७६) भेशक

الَّذِينَ يَشْتَرُونَ بِعَهْدِ اللَّهِ وَأَيْمَانِهِمْ ثَمَنًا قَلِيلًا أُولَٰئِكَ

जो लेते हैं, अल्लाहके अउद और अपने कसमूँके भदले भउकीकत थीज कीमत, वोड हैं कि नही कोई

لَا خَلْقَ لَهُمْ فِي الْأٰخِرَةِ وَلَا يُكَلِّمُهُمُ اللَّهُ وَلَا يَنْظُرُ إِلَيْهِمْ

उिस्सा उनके लिये आभिरतमें, और न उनसे कलाम इरमाअे अल्लाह और न नजर करे उनकी जानिभ कियामतके

يَوْمَ الْقِيٰمَةِ وَلَا يُزَكِّيهِمْ وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۵۷﴾ وَإِنَّ مِنْهُمْ

दिन, और न पाक इरमाअे उनको, और उनके लिये अज्जभ है दुभवाला (७७) और भे-शक उनमें अक जमाअत

لِقَرِيْبًا يَلْقَوْنَ أَسَنَتَهُمْ بِالْكِتٰبِ لِتَحْسَبُوْهُ مِنْ الْكِتٰبِ وَ

है कि तोडभोड करते हैं अपनी जभानको किताभमें, ताकि तुम लोगूँको भयाल हो कि यह किताभ ही का जूज है, हावांकि वोड

مَا هُوَ مِنَ الْكِتٰبِ وَيَقُولُونَ هُوَ مِنْ عِنْدِ اللَّهِ وَمَا هُوَ مِنْ

किताभसे नही, और भक देते हैं कि यह अल्लाहकी तरफसे है, और वोड अल्लाहकी जानिभसे नही

عِنْدِ اللَّهِ وَيَقُولُونَ عَلَى اللَّهِ الْكُذِبَ وَهُمْ يَعْلَمُونَ ﴿۵۸﴾ مَا

है. और ँकितरा करते हैं अल्लाह पर जूट, जानभूज कर (७८) किसी

كَانَ لِبَشَرٍ إِنْ يُؤْتِيَهُ اللَّهُ الْكِتٰبَ وَالْحِكْمَ وَالنُّبُوَّةَ ثُمَّ

भशरकी उक नही, कि अल्लाह तो उसको दे किताभ, और हुकम, और पैगम्भरी, इर

يَقُولُ لِلنَّاسِ كُونُوا عِبَادًا لِّي مِنْ دُونِ اللَّهِ وَلٰكِنْ

वोड लोगूँसे यह कहे, कि हो जाओ तुम भेरे ही भन्दे अल्लाहको छोड कर, लेकिन कहेगा,



مُسْلِمُونَ ﴿۸۷﴾ وَمَنْ يَبْتَغِ غَيْرَ الْإِسْلَامِ دِينًا فَلَنْ يُقْبَلَ مِنْهُ

ફરમાંબરદાર હેં (૮૪) ઓર જો યાહે ઇસ્લામકે સિવા કિસી દીનકો, તો ઉસસે હરગિઝ કબૂલ ન કિયા જાએગા.

وَهُوَ فِي الْآخِرَةِ مِنَ الْخَسِرِينَ ﴿۸۸﴾ كَيْفَ يَهْدِي اللَّهُ قَوْمًا

ઓર વોહ આખિરતમેં દોટેવાલોસે હે (૮૫) કિસ તરહ હિદાયત બખ્શે અલ્લાહ એસી કોમકો,

كَفَرًا وَابْعَدَ آيْمَانِهِمْ وَشَهِدُوا أَنَّ الرَّسُولَ حَقٌّ وَجَاءَهُمُ

જિસને ઇન્કાર કિયા માન જાનેકે બા'દ, ઓર ગવાહી દે ચુકે થે કિ રસૂલ હક હે ઓર આ ચુકી થી ઉનેકે પાસ

الْبَيِّنَاتُ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظَّالِمِينَ ﴿۸۹﴾ أُولَٰئِكَ جَزَاءُ وَّهُمْ

રૌશન નિશાનિયાં. ઓર અલ્લાહ હિદાયત નહીં બખ્શતા ઝાલિમ કોમકો (૮૬) વોહ હેં જિનકા બદલા યહ હે,

أَنَّ عَلَيْهِمْ لَعْنَةُ اللَّهِ وَالْمَلَائِكَةِ وَالنَّاسِ أَجْمَعِينَ ﴿۹۰﴾ خُلِيَّةِينَ

કિ ઉન પર લા'નત હે અલ્લાહ ઓર ફરિશતોં ઓર સબ લોગોંકી (૮૭) ઉસમેં હમેશા રહનેવાલે,

فِيهَا لَا يَخْفَىٰ عَنْهُمْ الْعَذَابُ وَلَا هُمْ يَنْظُرُونَ ﴿۹۱﴾ إِلَّا

ન તખ્ફીકી જાએગી ઉનસે અઝાબકી, ઓર ન વોહ મોહલત દિયે જાએંગે (૮૮) મગર

الَّذِينَ تَابُوا مِن بَعْدِ ذَلِكَ وَأَصْلَحُوا ۗ فَإِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ

જો તાઈબ હો ચુકે ઉસકે બા'દ, ઓર અપની ઇસ્લાહ કર લી.. તો બેશક અલ્લાહ બખ્શનેવાલા

رَحِيمٌ ﴿۹۲﴾ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا وَابْعَدُوا آيْمَانَهُمْ ثُمَّ آرَادُوا الْكُفْرَ

રહમતવાલા હે (૮૯) બેશક જિન્હોંને કુફ્ર કિયા ઇમાન લાનેકે બા'દ, ફિર બદે કુફ્રમેં,

لَنْ تُقْبَلَ تَوْبَتُهُمْ ۗ وَأُولَٰئِكَ هُمُ الصَّاغُونَ ﴿۹۳﴾ إِنَّ الَّذِينَ

તો ન મયસ્સર હોગી ઉનેકો મકબૂલ તોબા, ઓર વોહી ગુમરાહ લોગ હેં (૯૦) બેશક જિન્હોંને

كَفَرُوا وَمَاتُوا وَهُمْ كُفَّارًا ۗ فَلَنْ يُقْبَلَ مِنْ أَحَدِهِمْ

કુફ્ર કિયા, ઓર મરે ઇસ હાલમેં કિ વોહ કાફિર હેં, તો હરગિઝ કબૂલ ન કિયા જાએગા ઉન મેંસે કિસીસે

مِلَّةِ الْأَرْضِ ذَهَبًا وَلَوْ افْتَدَىٰ بِهِ ۗ أُولَٰئِكَ لَهُمْ عَذَابٌ

ઝમીન ભર સોના, ગો ઉસકો વોહ અપની રિહાઈકે લિયે દે. વોહ હેં જિનકે લિયે દુખ દેનેવાલા અઝાબ,

أَلِيمٌ ۖ وَمَا لَهُمْ مِنْ نَّاصِرِينَ ﴿۹۴﴾

ઓર નહીં હે ઉનકા કોઈ મદદગાર (૯૧)